an>

Title: Need to conduct National Entrance Eligibility Test (NEET) by MCI on single day.

**डॉ. संजय जायसवाल (पश्चिम चम्पारण) :** माननीय अध्यक्ष जी, आपने मुझे नेशनल एन्ट्रेंस एलिजिबिलिटी टैस्ट पर बोलने का मौका दिया, इसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूं। इसमें दो इश्यू हैं। जब हम छात्र थे, तब 11वीं और 12वीं की तैयारी एक साथ होती थी। हम एक साथ 12वीं की परीक्षा देते थे। अब 12वीं की परीक्षा केवल पांच चैप्टर्स पर होती है। सबसे बड़ा इश्यू यह है कि 1 मई को जिन बच्चों ने एग्जाम दिया, उनको 12वीं के बाद केवल 10 दिन तैयारी करने का मौका मिला। वहीं जिन बच्चों ने एग्जाम नहीं दिया, उनको ढाई महीने का समय 24 जुलाई तक दे रहे हैं।

आप हमेशा कहती हैं कि यह कोर्ट का मामला है, इसलिए यहां नहीं उठाया जाए। उसी तरह पार्लियामेंट अपने आप में इंडीपेंडेट बॉडी है। हम लोगों ने एमसीआई को पार्लियामेंट के रूल से पास किया है। एमसीआई के रूल में कहीं नहीं है कि वह परीक्षा लेगी। लेकिन कोर्ट स्वयं कहती है कि एमसीआई चोर है, उसके ऊपर जस्टिस लोडहा कमेटी बिठाती है, उसके ऊपर डॉ. शिव सरीन को बिठाया जाता है और फिर कहा जाता है कि एमसीआई परीक्षा लेगी।...(व्यवधान) या तो एमसीआई ....* है और उसके ऊपर जस्टिस लोडहा को बिठा रहे हैं या ... *को ही पूरे ब्लॉक की रखवाली का काम दे रहे हैं।

**माननीय अध्यक्ष :** अनपार्लियामेंटरी शब्द रिकार्ड में नहीं जाएगा।

...(*Interruptions*)â€¦ *

**डॉ. संजय जायसवाल:** मेरा आपसे अनुरोध है कि एमसीआई ऑटोनोमस बॉडी है, छः लाख बच्चों का सवाल है। 24 जुलाई को सभी बच्चों को परीक्षा देने दी जाए जिससे एक परीक्षा से सभी बच्चों का मेरिट तय हो सके।

**माननीय अध्यक्ष :**

श्री शिव कुमार उदासि,

श्री शरदी त्रिपाठी,

कुँवर पुÂष्पेन्द्र सिंह चन्देल और

श्री उदय प्रताप सिंह को डॉ. संजय जायसवाल द्वारा उठाए गए विÂषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।

DR. BOORA NARSAIAH GOUD (BHONGIR): I thank you, Madam, for giving me the opportunity to raise an important issue. ...(*Interruptions*)

**माननीय अध्यक्ष :** राजेश जी, बैठिए।

â€¦(व्यवधान)

HON. SPEAKER: Shri Ashwini Kumar Choubey Ji, what is all this?

...(*Interruptions*)

**माननीय अध्यक्ष :** अश्वनी जी, बैठिए। एक बार आपको अपनी बात कहने का मौका दिया। चिल्लाने से नहीं होगा, वहां जाकर लड़िए।

â€¦(व्यवधान)

DR. BOORA NARSAIAH GOUD: Madam, the recent survey by CMS shows Railways as one of the shining departments. I appreciate the efforts of Shri Suresh Prabhu in this respect.

**शहरी विकास मंत्री, आवास और शहरी गरीबी उपशमन मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्री (श्री एम. वैंकैय्या नायडू) :** आप चेयर से कहते हैं कि रिकार्ड में नहीं जाएगा, लेकिन वे लोग नहीं सुनते हैं, मीडिया में आ रहा है। एमसीआई एक बॉडी है, उसके लिए ऐसे +-+ शब्द का प्रयोग नहीं होना चाहिए।

**माननीय अध्यक्ष :** मैंने बताया है।

**श्री एम. वैंकैय्या नायडू :** आपने कहा है, यहां रिकार्ड में नहीं आएगा लेकिन वहां रिकॉर्ड में आएगा।

**माननीय अध्यक्ष :** यह तो कोर्ट की बात है, हम भी क्या करें?

**श्री एम. वैंकैय्या नायडू:** इसके लिए थोड़ा जागरुक होना चाहिए। जब स्पीकर की चेयर से कुछ बात आती है, It is binding on the media also.